JITO के JITO Connect 2023 कार्यक्रम में
माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का अभिभाषण

दिनांक 6 अक्टूबर 2023, शुक्रवार	समय : 11.00 AM	स्थान : सीतापुर, उदयपुर

नमस्कार।

आज इस गौरवशाली और महत्वपूर्ण आयोजन “JITO Connect 2023” के उद्घाटन के मौके पर आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे काफी प्रसन्नता हो रही है। इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए मैं JITO (जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन) को धन्यवाद देता हूं।

देश में ऐसे कार्यक्रम बहुत ही कम आयोजित होते हैं, जो व्यापारिक नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिलाओं को सशक्त बनाने और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करते हैं। यह कार्यक्रम व्यवसाय और उद्योगों को बढ़ावा देने तथा व्यापारियों के लिए व्यापारिक संबंध को सुदृढ़ बनाने का एक अच्छा और सफल मंच है।

मुझे बताया गया है कि “JITO Connect” कार्यक्रम हर दो साल में आयोजित होता है। इस कार्यक्रम में नवाचार, तकनीक और डिजिटल उपकरणों के नवीनतम आविष्कारों को प्रदर्शित किया जाता है। इसके अलावा व्यवसायिक शिक्षा से जुड़े कार्यशालाओं का भी आयोजन होता है।

मित्रों,

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JITO) जैन समाज के दूरदर्शी लोगों का उत्कृष्ट व्यापारिक संस्था है, जो सदैव राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस संस्था से जैन समाज के प्रमुख व्यवसायी, उद्योगपति और पेशेवर लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने व्यापार और सेवा के क्षेत्र में उद्यमिता की उच्चतम परंपरा का पालन किया है और विश्व मंच पर मां भारती का गौरव बढ़ाया है।

यह संस्था समाज के लोगों के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करता है, जो कि प्रशंसनीय है। 17 वर्षों की छोटी सी अवधि में JITO ने पेशेवर और सामाजिक संगठनों के विशाल परिदृश्य में कई विश्वसनीय मानक स्थापित किए हैं। बड़े पैमाने पर समुदाय और समाज के आर्थिक और सामाजिक विकास की दृष्टि से JITO ने आर्थिक सशक्तिकरण, ज्ञान और सेवा के क्षेत्र में विभिन्न परियोजना चला रही है।

JITO युवा उद्यमियों, छोटे व्यवसायियों, स्टार्टअप के साथ विभिन्न क्षेत्र के व्यवसाय में अपनी राह तलाशने वाले युवाओं को एक बड़ा मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। महिला उद्यमियों को भी प्रोत्साहित कर उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में योगदान दे रही है।

देवियों और सज्जनों,

बढ़े हुए व्यापार उदारीकरण और आर्थिक विकास का तब तक कोई महत्त्व नहीं है, जब तक लोगों को इनका पूरा फायदा न मिले। इसलिए आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार वृद्धि और क्षेत्रीय विकास जैसे लक्ष्यों को पूरा करने पर भी जोर दिया जाना चाहिए। विगत दशक के दौरान लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में विकासात्मक नजरिए में बड़ा बदलाव आया है। विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के सशक्तीकरण ने देश के समावेशी विकास की प्रक्रिया को तेज किया है।

समावेशिता की संकल्पना केवल निर्धनता मिटाना नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिए अवसरों की समानता तथा आर्थिक और सामाजिक प्रगति है। यह परिणाम तभी सुनिश्चित हो सकता है जब इस हद तक सशक्तीकरण हो कि उससे एक लोकतांत्रिक राजव्यवस्था के लिए अत्यावश्यक, भागीदारी का सच्चा अहसास पैदा हो। पिछड़े और वंचित वर्गों का सशक्तीकरण समावेशी विकास का एक प्रमुख हिस्सा है।

किसी भी आर्थिक विकास की कुछ सामाजिक जटिलताएं होती हैं। तीव्र वैश्विक बदलावों के साथ चलने के लिए, हमें अपने कार्यबल के कौशल को लगातार निखारना होगा। हमारे आर्थिक विकास की प्रक्रिया में कौशल निर्माण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, नई तकनीकों और उपकरणों के उपयोग को शामिल करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश शिक्षा, व्यापार, प्रोद्योगिकी, खेल आदि लगभग सभी क्षेत्रों में उल्लखनीय प्रगति कर रहा है। यह प्रगति प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का ही परिणाम है। सरकार की स्पष्ट लक्ष्यों, मजबूत इरादों और अनुकूल नीतियों के कारण हमारा देश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

व्यापारिक संगठनों का देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। मेरा अनुभव है कि युवा शक्ति से व्यापारिक संगठनों को और अधिक बल मिलेगा। इसलिए इन संगठनों को युवा उद्यमियों और व्यवसायियों का मार्ग प्रशस्त कर उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।

मुझे खुशी है कि JITO भी इसी सिद्धांत पर काम करता है। यह युवा उद्यमियों व व्यवसायियों को "उत्साहित", "सुसज्जित" और "सशक्त" बनाने का प्रयास करता है। इसी परियोजना के परिकल्पना के अंतर्गत "JITO Connect 2023" का आयोजन किया गया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि "JITO Connect 2023" कार्यक्रम में समाज के व्यवसायियों को व्यवसाय और उद्योगों से जुड़े नई चीजे सीखने का सुअवसर प्राप्त होगा। इससे उन्हें अपने व्यवसाय को सफलता के साथ आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

समाज के सदस्यों के साथ जुड़ने और व्यापारिक अवसरों को तलाशने का मौका मिलेगा। इसके अलावा उद्यमिता और उद्योगों के विकास के लिए नवाचारिक विचारों का भी आदान-प्रदान होगा।

अंत में मैं शब्दों को विराम देते हुए इस कार्यक्रम की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।